October 2013

TODAY

(Newsletter of EURASIA REIYUKAI)

बर्ष-१ अंक-४

यूराशिया रेयूकाई का आव्हान

१) महागुरु काकुतारो कुबोजी का ७०वें पुण्यतिथि स्मरण समारोह में १८ नवम्बर २०१३ के दिन अपनी मिहाता शाखा या नजदीकी संस्कृति केन्द्र में सहभागियों के साथ सहभागी बनें ।

२) प्रत्येक महीने मिहाता शाखा या संस्कृति केन्द्रों में आयोजित होने वाले ९, १६ एवं १८ तारिख के मिलनों में सदस्यों के साथ-साथ सहभागी बनें ।

यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्षजी द्वारा प्रदान प्रदान किया गया मार्गनिर्देशन

• मिचिविकी कहने पर सोकाईम्यो की स्थापना कर नीलसूत्र पाठकर उसे संतति और पूर्वजों को सोकाईम्यो के माध्यम से संचार करना है । कृतज्ञता की भावना लेकर इस तरह की भावना मनुष्य के रुप में होनी स्वभाविक हैं, लेकिन वैसा हुआ नहीं है। इसे जागृत कराने का मौका प्राप्त करना है ।

• मिचिविकी करने वाले व्यक्ति ने यदि एक जन की मिचिविकी की, तो कहने का मतलब इसने एक घर के पूर्वजों को बचाने का मौका प्राप्त किया, ऐसा कहा गया है । उस तरह का कार्य करने का मौका प्राप्त करना महत्वपूर्ण है । उस मिचिविकी के ओया को अपने सदस्यों को प्रवाह करना पडता हैं, साथ-साथ सूत्रपाठ चढाने का मौका प्राप्त करने, चढाने का तरीका सिखाने आदि की जरुरत है । अगर ऐसा नहीं किया तो प्रवेश लेकर भी क्या करना है, इसका तरीका ही ज्ञात नहीं कर सकेगा ।

- पुण्यफल संचित करने का मौका प्राप्त करना पडता हैं । खुद भी पुण्यफल संचित करने का मौका प्राप्त करें और मिचिविकी किए सदस्य को भी पुण्यफल संचित करने का मौका प्रदान करें ।
- मिचिविकी ओया में दया नहीं रहने के कारण सदस्य छोडकर चले जाते हैं । यदि जन्म देकर छोड दिया जाता हैं, तो जानवर हो, मनुष्य हो वही मर जाता है । दया कर सदस्यों की परवरिश, सेवा जारी रखनी पडती हैं ।
- कोतानी महाओन्सी जी युवावर्ग से काफी उम्मीद रखती थीं । जापान में अभ्यास में गए व्यक्ति शायद मिरोकुशान के अभ्यास में सहभागी हुए होंगे । वह मिरोकुशान युवावर्ग के अभ्यास स्थल के रुप में निर्माण किया गया था । उसके बाद युवकों को लक्ष्य कर युवकों के विशाल मन को लेकर उसका कार्यान्वयन करने के लिए उसे तैयार किया गया । सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र के शक्ति को लेकर उसे साकार करना है, ऐसा मार्गनिर्देशन दिया । आपलोग भी सुनी हुई बातों को स्वयं कार्यान्वयन करें एवं कार्यान्वयन कराएं । महत्वपूर्ण बात है कि मैंने हमेशा कहा है कि कोतानी महा ओन्सी जी ने ऐसा कहा था, कुबोजी ने ऐसा कहा था, सूत्र में ऐसा लिखा हुआ है । अवश्य ही शुरु में मैंने इन बातों को जोडकर कहा है । लेकिन आपलोग इसे अपने विचार से कहने के जैसा कह रहे हैं । किससे सुना है, किसने सिखाया है, किससे मार्गनिर्देशन मिला है, यह कहने की आदत नहीं है । अगर ऐसा हो रहा है तो निश्चय ही यस अहंकारी (जोजोमेन) है । जो सुनता है, उसके मन में भी यह प्रवेश नहीं करेगा । सूत्र में भी लिखा हुआ है । इस प्रकार मैंने सुना, इस प्रकार कहा गया था, बुद्ध ने कहा, इस प्रकार उपदेश दिया आदि तरीके से लिखा हुआ है । जैसे-तैसे नहीं कहा गया है, इस प्रकार कहा, इस प्रकार सुना, कहकर अवश्य लिखा गया है, जो महत्वपूर्ण है ।
- ज्यादा से ज्यादा लोगों को रेयूकई की शिक्षा की जानकारी कराते जाएं । मिचिविकी नहीं करने से होगा, सूत्रपाठ नहीं करने से चलेगा, ऐसा यूराशिया रेयूकाई ने नहीं कह रखा है । प्रयास कर, दुःख करने के बाद ही उसका परिणाम खुशी के रुप में प्राप्त होता है, यह अपने पूर्वजों की खुशी का कारण बनता है ।
- स्वयं कार्यान्वयन कर दूसरे एक-एक व्यक्ति को कार्यान्वयन करें और उनकी परवरिश करें । मिचिविकी ओया अपने कार्यान्वयन कर मिचिविकी किए व्यक्तियों को कार्यान्वयन कराएं । मिलन महत्वपूर्ण है, यह मिलन आयोजित करने के बाद महसूस होता है ।
- युवकों का आज कुछ भी नहीं है, उसका वास्तविक अब निकालना पडेगा । मैंने अपनी ओर से अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखकर, कोशिश करने का मौका पाकर, मैं स्वयं सबसे नीचे रहकर उसभार को मुझे ही खींचते जाना पडेगा । आप लोग भी वह जो त्रिकोण है, उस त्रिकोण के नीचे हैं । मैं उस विशाल त्रिकोण के नीचे हूँ तो आपलोग उस त्रिकोण के उपर जो एक छोटा सा त्रिकोण है, उस त्रिकोण के नीचे हैं । उस त्रिकोण को आपलोगों को ही वहन करना पडेगा ।
- "यूराशिया रेयूकाई मेरा गौरव है" ऐसी भावना लेकर अभ्यास नहीं करने से नहीं होगा ।

मिचिविकी : रेयूकाई का सदस्यता आवेदन फार्म भरकर उसके साथ महान् प्रवेश शुल्क जमा करने का मौका प्राप्त करने पर प्रवेश हो जाता हैं। मिचिविकी कहने पर सदस्य के घर में जाकर सोकाईम्यो की स्थापना कर साथ-साथ सूत्रपाठ करना सिखाकर, पूर्वजों को केन्द्रविन्दु बनाकर जीवनयापन करने वाला घर-परिवार निर्माण करते जाना ही मिचिविकी हैं। – *युशुन मासुनागा, संस्थापक अध्यक्ष-यूराशिया रेयूकाई*

भगवती प्रा.वि. को आर्थिक सहयोग

यूराशिया रेयूकाई की ओर से कास्की जिला पुम्दीभुम्दी गा.वि.स. स्थित स्थिरमति पहाड के नजदीक अवस्थित श्री भगवती प्रा.वि. के नए भवन के निर्माण हेतु एक लाख रुपये (ने.मु.) का चेक यूराशिया रेयूकाई नेपाल के अध्यक्ष श्री विष्णु प्रसाद पौडेल द्वारा विद्यालय व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश गुरुंग को २०७० साल की भाद्र २७ गते को (१२ अगष्त २०१३) एक समारोह में प्रदान किया गया ।

यूराशिया रेयूकाई का मुख्य लक्ष्य कहने पर विश्वशांति के लिए योगदान करने वाले ज्यादा से ज्यादा लोगों का निर्माण करना एवं सामाजिक क्रियाकलापों के अंतर्गत समाज के विकास में यथासंभव सहयोग करने के कारण उसी के अनुसार विद्यालय के भवन निर्माणार्थ आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है । उक्त रकम की चेक हस्तांतरण कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, व्यवस्थापन समिति के पदाधिकारी, अभिभावक एवं विद्यार्थियों की भी उपस्थिति थी ।

यूराशिया रेयूकाई द्वारा डेंगू विषयक जनचेतना अभियान

यूराशिया रेयूकाई प्रधान कार्यालय एवं स्थानीय यूराशिया रेयूकाई १८वीं एवं २१वीं शाखा कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विगत १३ सितम्बर २०१३ के दिन भारत के सिलिगुडी स्थिते बंकिमनगर, शास्त्रीनगर, ग्रीन पार्क आदि क्षेत्रों में डेंगू सम्बन्धी जनचेतना अभियान चलाया गया । इस अभियान अंतर्गत सडक की दोनों ओर की नालियों एवं जलजमाव वाले स्थानों में साफ-सफाई कर ब्लीचिंग पाउडर छिडकने के साथ-साथ आमलोगों को डेंगू से बचने, सतर्क होने सहित डेंगू के बारे में जानकारीमूलक विभिन्न भाषाओं में तैयार किए गए पर्चो का वितरण किया गया । उक्त दिन एक कार्यक्रम में डा. सुनिल कुमार सिंह ने डेंगू संबंधी जानकारी कराया ।

खुशी का अनुभव

नाम : रियल मुडभरी
उपाधी : जुन होजाशु
शाखा : यूराशिया रेयूकाई १५वीं शाखा
क्षेत्र : कौशलटार, भक्तपुर ।

सभी को नमस्कार !

मेरा नाम रियल मुडभरी है । मैं यूराशिया रेयूकाई १५वीं शाखा में जुन होजाशु के रुप में अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रहा हूँ । मैं १५ वर्ष का हुआ, मेरे ओया देवु मुडभरी एवं शिबुचो रोशन राज मुडभरी हैं । मेरे जन्म लेने के पहले से ही माता-पिता रेयूकाई शिक्षा का अभ्यास कर रहे थे । मैं दूसरे पुस्त के रुप में रेयूकाई शिक्षा ग्रहण करने का मौका प्राप्त कर रहा हूँ । पिता जी को परिवार का पालन पोषण करने में काफी समस्या होने के समय मेरा जन्म हुआ था । मेरे माता-पिता ने मुझे और भाई को साथ साथ लेकर विभिन्न मिलन के कार्यक्रमों में जाया करते थे । रेयूकाई के अनेकों सदस्य हमारे घर में होने वाले पारिवारिक मिलनों में आया करते थे । उन्ही मिलनों में रेयूकाई शिक्षा की बातें और अभ्यासों के बारे में बचपन से ही सीखने का मौका प्राप्त करता आ रहा हूँ । माता-पिता के साथ साथ मिहाता शाखा में होने वाले विभिन्न मिलनों तथा अभ्यास कार्यक्रमों में सहभागी होने का मौका प्राप्त कर रहा हूँ । मिलियन अभियान का कार्यान्वयन करने का मौका पाकर बनाए गए सदस्यों के घर में सोकाईम्यो की स्थापना करने, मिचिविकी करने, अभिभावकों के साथ-साथ सूत्रपाठ करने, कामना करने का मौका प्राप्त कर रहा हूँ ।

मेरे छोटे रहने के दौरान रेयूकाई के कार्यक्रमों में मुझे बच्चा देखभाल करने वाले शिविर में रखा जाता था । आज कल संस्थापक अध्यक्ष जी द्वारा म्योईचिकाई का गठन कर दिए जाने पर म्योईचिकाई गीत, डांस एवं कार्यक्रम में बच्चों को भी शामिल होने की बात मुझे काफी पसंद आयी है । रेयूकाई शिक्षा में अभ्यास करने का मौका प्राप्त करने के कारण मुझमें, पढाई में, औरों के प्रति आदर करने की भावना, समाज में होने वाले विभिन्न सामाजिक क्रियाकलापों में सहभागी होने, आदर्श नागरिक बनने, अपने जीवन में परिवर्तन लाने, औरों के बारे में सोच सकने, औरों को सहयोग करने, अभिभावक के प्रति भक्ति करने, देश के प्रति सोचने की भावना आदि का विकास हुआ है । मैं कौन हूँ और मेरी जिम्मेवारी और कर्तव्य क्या है- जैसी बातें रेयूकाई से सीखने, महसूस करने का मौका प्राप्त किया हूँ । अभिभावक का सहयोग लेकर मैं अपने पढने वाले स्कूल के साथियों का मिलन आयोजित कर उन्हे रेयूकाई शिक्षा सम्बन्धी जानकारी कराने, उनकी मिचिविकी कर एवं उनलोगों के घर मे सोकाईम्यो की स्थापना कर, साथ-साथ सूत्रपाठ कर सिखाता आ रहा हूँ । मिचिविकी किए गए साथियों को मिहाता शाखा में होने वाले विभिन्न मिलनों एवं घर में होने वाले पारिवारिक मिलनों में बुलाकर साथ-साथ अभ्यास करने मौका प्राप्त करता आ रहा हूँ । इस वर्ष सदस्यों के साथ साथ अभ्यास कर ५० से ज्यादा लोगों की मिचिविकी करने का मौका प्राप्त कर ५ जन जुन-होजाशु का निर्माण कर २०१४ में होने वाले गोहोम्यो आत्माग्रहण समारोह में सहभागी बनने की प्रतिज्ञा करते हुए जीवन रहने तक महान् रेयूकाई शिक्षा को स्वयं कार्यान्वयन कर औरों को भी कार्यान्वयन कराकर वास्तविक परिणाम दिखाने की प्रतिज्ञा करता हूँ ।

नामु-म्योहोरेङ्गे-क्यो

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को किस प्रकार कम किया जा सकता है ?

१) वृक्षारोपण करें ! वृक्षारोपण करें !! वृक्षारोपण करें !!!

२) पर्यावरण के प्रदूषण को कम करने एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति चेतना जागृत करने के लिए यदि हम एक टन कागज बचाते हैं तो १७ वृक्षों की रक्षा होती है, २६,२८१ लिटर जल का बचत होता है । वायु का प्रदूषण २६४ किलो कम होता है । करीब ८ घनफुट धरती नुकसान होने से बच जाती है । १,७५२ लीटर तेल की बचत होती है और ४७७ किलोवाट ऊर्जा शक्ति की बचत होती है । इसका मतलब अनावश्यक कागज के खर्च को कम कर प्रयोग हो चुके कागज का पुन: प्रयोग करना, जैसे सजावट के सामान, सामान रखने का झोला आदि बनाकर पुन: प्रयोग में लाने की आदत आज से ही डालें ।

३) एक घर में दो सप्ताह प्रयोग होने वाला औसत विद्युत, गैस, कोयला एवं तेल आदि से ३८६.४ किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड का उत्पादन होता है । इसलिए इन वस्तुओं के प्रयोग में मितव्ययिता अपनाएं ।

४) विद्युतीय उपकरणों को चालू अवस्था में छोड के रखने पर लगभग १० प्रतिशत विद्युत की अतिरिक्त खपत होती है । यदि बंद कर रखा जाय तो उससे प्रतिवर्ष १५० किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड गैस कम बनेगी । इसलिए विद्युतीय उपकरणों का उपयोग करने के बाद पूरी तरह बंद कर दें ।

५) एक कम्प्यूटर मानिटर को रात भर स्विच आफ कर रखने पर उससे बचत होने वाली ऊर्जा से माईक्रोवेभ ओवन से छह रात का डिनर तैयार हो सकता हैं, इसलिए स्विच आफ कर रखने की आदत डालें ।

६) घर या कमरे में विद्युत उपकरण का उपयोग नहीं करते समय उन्हें स्विच आफ कर रखने से प्रत्येक वर्ष ३० किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड का कम उत्पादन होता हैं, अत एव विद्युत उपकरण को प्रयोग करने के पश्चात् उसका स्विच आफ करने की आदत डालें ।

७) घर में प्रयोग होने वाले थर्मोस्टेट का तापक्रम १ डिग्री के दर से कम करते जाने पर १० प्रतिशत विद्युत खर्च कम होता है और प्रत्येक वर्ष ३०० किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड का कम उत्पादन होता है, इसलिए थर्मोस्टेट के तापक्रम को नियंत्रण करने समय ध्यान रखें ।

८) एक पेट्रोल कार एक सप्ताह में १० मील कम चलाने पर औसतन प्रतिवर्ष १७५ किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड का उत्पादन नहीं होता, अत एव अनावश्यक रुप से पेट्रोल कार न चलाएं ।

९) प्रत्येक घर में मात्र तीन अदद वैद्युतिक सीएफएल बल्ब लगाने से बचत हुई उर्जा से सडक की बत्ती जलाने लायक ऊर्जा संचित होती है, अत: यथासंभव सिएफएल बल्बों का प्रयोग करने की आदत डालें ।

१०) एक वृक्ष प्रत्येक वर्ष लगभग १० किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड का शोषण करता है, इसलिए यथासंभव वृक्ष को न काटें ।

११) स्किन सेवर का प्रयोग नहीं करने पर प्रत्येक वर्ष ८१० किलोवाट ऊर्जा का बचत होता है तथा ३४८ किलोग्राम कार्बन डाई अक्साईड का निर्माण नहीं होता, अतएव यथासंभव स्किन सेवर का प्रयोग न करें ।

यूराशिया रेयूकाई द्वारा विभिन्न समय पर संपन्न क्रियाकलापों की फोटो झलकियां

मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण, ईलाम

चित्रकला प्रतियोगिता, विलासपुर, भारत

म्योईचिकाई मिलन, नेपालगंज

रेयूकाई परिचयात्मक कार्यक्रम, पाँचखाल

साफ-सफाई कार्यक्रम, धरान

होजाईन से उपर के लीडर्स का अभ्यास कार्यक्रम, पत्थरझोडा, भारत

उद्घोषण प्रशिक्षण का समापन, टिकापुर

फेब्रिक पेन्टिंग प्रशिक्षण, धोबीधारा

TODAY कैसा लगा ? किस प्रकार की विषय-वस्तु पर अच्छा रहेगा, आपके सुझावों के लिए अनुरोध किया जाता है ।

यूराशिया रेयूकाई सम्बंधी विस्तृत जानकारीयों के लिए: www.eurasiareiyukai.com